एआई, स्टार्टअप के जरिये 10 लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य

एआई प्रज्ञा प्रोग्राम के तहत प्रशिक्षण, 100 से अधिक स्टार्टअप इन्क्यूबेटर विकसित करने की योजना

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए सरकार स्टार्टअप नीति और एआई प्रज्ञा प्रोग्राम के माध्यम से बड़े पैमाने पर युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण देने की तैयारी कर रही है। इसके तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में लगभग 10 लाख युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

सरकार के अनुसार स्टार्टअप नीति, एआई स्किलिंग और तकनीकी निवेश के संयुक्त प्रयासों से कानपुर, लखनऊ, नोएडा और वाराणसी जैसे शहरों में स्टार्टअप गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं।

कानपुर, लखनऊ, नोएडा व वाराणसी में बढ़ रहीं स्टार्टअप गतिविधियां

इससे एमएसएमई क्षेत्र को भी नई दिशा मिल रही है और युवा उद्यमिता को प्रोत्साहन मिल रहा है।

प्रदेश में टेक्नोलॉजी आधारित स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) की लगभग 400 यूनिट्स सक्रिय हैं। इसके साथ ही प्रदेश में 100 से अधिक स्टार्टअप इन्क्यूबेटर विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन इन्क्यूबेटरों के माध्यम से युवाओं को अपने नवाचार और तकनीकी विचारों को व्यवसाय में बदलने के लिए आवश्यक संसाधन और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है।

युवाओं को आधुनिक डिजिटल कौशल से जोड़ने के लिए माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी वैश्विक तकनीकी कंपनियों के साथ साझेदारी की गई है, जिसके तहत एआई और उन्नत डिजिटल तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रदेश का इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र भी तेजी से विस्तार कर रहा है।

देश में मोबाइल निर्माण में करीब 65 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ उत्तर प्रदेश एक प्रमुख विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है। इससे स्टार्टअप और एमएसएमई क्षेत्र को भी नई गति मिल रही है। भविष्य की तकनीकों से युवाओं को जोड़ने के लिए प्रदेश के 49 आईटीआई संस्थानों में एआई लैब स्थापित की जा रही हैं। इन प्रयोगशालाओं में छात्रों को एआई, डेटा एनालिटिक्स और अन्य उन्नत डिजिटल तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।